महत्वपूर्ण एवं खास

8 सटोरिए चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर (आरएनएस)। सिविल लाइन पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर महादेव एप से सट्टा खिलाते 8 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से नकदी 12 हजार व एक मोबाइल जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार सिविल लाइन पुलिस को सूचना मिली कि छत्तीसगढ़ कालेज के पास कुछ युवक महादेव एप से सट्टा खिला रहे है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी सागर जैन 32 वर्ष व अन्य 7 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से नकदी 12 हजार व एक मोबाइल जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। खमतराई पुलिस ने भनपुरी तिराहा के पास चाकू लेकर आतंक फैलाते एक युवक को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि भनपुरी तिराहा के पास एक युवक चाकू लेकर आतंक फैला रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी सदाम हुसैना 27 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

बरदापखना में तेंदुआ का आतंक, गाय को बनाया निशाना

कोरबा (आरएनएस)। वनमंडल कटघोरा के पसान रेंज में हाथियों के बाद अब तेंदुआ का आतंक शुरू हो गया है। शनिवार की शाम अचानक पहुंचे तेंदुआ ने रेंज के बीजाडांड बीट में स्थित बरदापखना गांव में विजय कुमार आयाम पिता सिकंदर सिंह नामक एक ग्रामीण के गाय को निशाना बनाते हुए उस पर हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। जंगली जानवरों के गांव में आने तथा पशुधन को हानि पहुंचाए जाने की सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर दस्तावेजी कार्रवाई में जुट गए हैं। खबरों में बताया गया है कि विजय कुमार अपने गाय को दैहान में रखा था, तभी अंधेरा होते ही जंगल से निकलकर एक तेंदुआ वहां पहुंचा और उसका शिकार कर लिया। तेंदुआ गाय पर हमला करने के साथ ही उसे घसीटते हुए काफी दूर तक ले गया और पेड़ के नीचे मारकर उसके कई अंगों का भक्षण कर लिया। इसकी जानकारी मवेशी मालिक को तब लगी जब वह गाय की आवाज सुनकर दैहान पहुंचा तो पूर्व में रखे गए जगह पर वह नहीं थी। कुछ दूर आगे जाकर जब देखा तो गाय मृत पड़ी थी। उसके कई अंग गायब थे। गाय के मृत देह के पास तेंदुआ के पैर के निशान थे। मवेशी मालिक को समझते देर नहीं लगी कि तेंदुआ ने गाय का शिकार कर लिया है। उसने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी जिस पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर दस्तावेज तैयार करने में जुट गए। तेंदुआ के पैरों के निशान का फोटो लेने के साथ ही पशु चिकित्सक को बुलाकर पोस्टमार्टम भी कराया गया। तेंदुआ द्वारा गांव में पहुंचकर मवेशी का शिकार किये जाने से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

बस्तर के खिलाड़ियों ने तीनों वर्गों में खिताब पर किया कब्जा

जगदलपुर (आरएनएस)। 23वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के तहत सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबाल प्रतियोगिता का समापन समारोह रविवार को श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव व जगदलपुर विधायक रेखचंद जैन ने जब शेरो- शायरी सुनाई तो हाल खिलाडिय़ों की तालियों से गूंज उठा। न जीतना जरूरी है न हारना जरूरी है, जिन्दगी एक खेल है खेलना जरूरी है। जैन ने जब यह पंक्तियां सुनाई तो शिक्षकों व खिलाडिय़ों समेत सभी मौजूद जन झूम उठे। कार्यक्रम को इंद्रावती विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष राजीव शर्मा, महापौर सफिरा साहू ने भी संबोधित किया। प्रतियोगिता के तीनों वर्गों में बस्तर जोन के खिलाडिय़ों ने जीत हासिल की। अब यह राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग लेंगे। विधायक व अन्य अतिथियों ने बस्तर समेत दुर्ग, सरगुजा आदि जोन के खिलाडिय़ों को पुरष्कृत किया।

मुख्य न्यायाधीश ने सेंट्रल जेल का किया औचक निरीक्षण

- व्यवस्था पर संतोष जताया मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने
- छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालयों के शासन स्तर पर लंबित विषयों पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से भी की औपचारिक मुलाकात

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा आज प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से पहुना गेस्ट हाउस में मिले। मुलाकात के दौरान शासन स्तर पर लंबित छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालयों के विभिन्न विषयों पर औपचारिक चर्चा हुई। बैठक के पश्चात मुख्य न्यायाधीश औचक निरीक्षण हेतु केंद्रीय जेल रायपुर पहुंचे। यहां उन्होंने पुरूष बंदीगृह के सभी बैरकों का निरीक्षण किया तथा महिला बंदीगृह का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जेल के अस्पताल का भी निरीक्षण किया। जेल में स्थायी रूप से चिकित्सक की नियुक्ति के बारे में जानकारी ली और इसकी पुष्टि की। चिकित्सक से उन्होंने बंदियों को दी जा रही चिकित्सा सुविधा व दवाईयों की जानकारी ली तथा बंदियों से भी इस संबंध में पूछताछ की।

उन्होंने जेल में वीडियो कान्फ्रेसिंग रूम, विधिक प्रकोष्ठ का निरीक्षण कर जानकारी प्राप्त की। जेल में केन्टिन, बंदियों द्वारा संचालित प्रिंटिंग प्रेस, सिलाई-बुनाई कक्ष, शिक्षा केन्द्र इत्यादि का भी निरीक्षण किया। बंदियों से बातचीत करते हुए जानकारी प्राप्त की कि उन्हें जेल मेन्युअल के अनुरूप सुविधाएँ मिल रही है या नहीं। बच्चों के साथ रहने वाले महिला बंदियों के बारे में उन्होंने जेल अधीक्षक से महिला बंदियों के बच्चों को मिलने वाली सुविधाएँ जैसे कि स्वास्थ्य, शिक्षा और उनके सर्वांगीण विकास हेतु व्यवस्था की जानकारी ली। जेल अधीक्षक के द्वारा बताया गया कि जेल में पहली कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक की पढ़ाई हेतु शासन से मान्यता प्राप्त स्कूल संचालित है जिसमें संस्कृत की शिक्षा भी दी जा रही है। मुख्य न्यायाधीश द्वारा स्कूल का भी निरीक्षण किया गया।

जेल में शिक्षा, स्वास्थ्य व साफ-सफाई की सुविधा पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के समय वहां जेल अदालत चल रही थी। भूपेन्द्र कुमार वासनीकर, मु. न्या. मजिस्ट्रेट, रायपुर द्वारा प्रकरणों में सुनवाई की जा रही थी।

उन्होने जेल अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि किसी बंदी की अपील न्यायालय के समक्ष दो बार प्रस्तुत की गई है तो उस विषय की जानकारी त्वरित रूप से संबंधित न्यायालय को अवगत कराये। साथ ही उनके द्वारा यह भी जानकारी ली गयी कि कितनी बंदियों को विधिक सेवा प्रदान की जा रही है। वर्तमान में जेल की क्षमता कुल 1586 बंदियों की है जबकि जेल में बंदियों की कुल संख्या 3267 है जिसमें से पुरूष बंदियों की संख्या 3117 तथा महिला बंदियों की संख्या 150 है। निरीक्षण के समय संभागायुक्त डॉ. संजय कुमार अलंग, आईजी रतनलाल डांगी, डीआईजी जेल सह केन्द्रीय जेल अधीक्षक एस. एस. तिग्गा, एसएसपी प्रशांत अग्रवाल, जेलर एमएन प्रधान मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल अरविन्द कुमार वर्मा, विधि विभाग, रायपुर के प्रमुख सचिव रजनीश श्रीवास्तव एवं एडिशनल रजिस्ट्रार सह पीपीएस एम. वी. एल.एन. सुब्रहमन्यम भी उपस्थित थे। ज्ञात हो कि मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा मात्र 03 माह के कार्यकाल में ही अनेक न्यायालयों व जेलों का औचक निरीक्षण करते हुए व्यवस्था में सुधार हेतु आवश्यक निर्देश जारी कर चुके हैं जिसके सकारात्मक परिणाम भी मिलने शुरू हो गये हैं।

महानदी का बढ़ा जलस्तर, शिवरीनारायण में बाढ़ का खतरा, कराई गई मुनादी

शिवरीनारायण (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से जिले के नदी नालों का जलस्तर बढऩे लगा है। महानदी का जलस्तर बढऩे से बाढ़ का खतरा भी मंडराने लगा है। शबरी सेतु पुल से अभी चार फीट नीचे पानी बह रहा है। ऐतिहात के तौर पर जिला प्रशासन ने महानदी तटीय क्षेत्रों के इलाके में अलर्ट जारी किया है। फिलहाल शबरी सेतु पुल से आवागमन जारी है।

जिले के शिवरीनारायण महानदी पर बने शबरी सेतु पुल की ऊंचाई 729 फीट है। जिसमें शबरी सेतु पुल से 725 फीट यानी पुल से महज चार फीट नीचे ही महानदी का पानी बह रहा है। जिले में तीन दिनों से रुक – रुक कर हो रही वर्षा से महानदी का जल स्तर बढ़ गया है। महानदी शबरी सेतु पुल से आवागमन अभी जारी है। जलस्तर बढऩे के बाद पुल से लोगों का आना – जाना बंद कर दिया जाएगा।

यही हालत रही तो जांजगीर जिले का संपर्क बलौदाबाजार, सारंगढ़ – बिलाईगढ़, महासमुंद और रायपुर जिले से टूट जाएगा। जिला प्रशासन ने लगातार हो रही वर्षा को देखते हुए महानदी के किनारे बसे गांव और तटीय क्षेत्रों के इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट जारी किया है। अप्रिय घटनाओं से निपटने के लिए महानदी शबरी सेतु पुल के पास नगर सैनिक के गोताखोरों की तैनाती की गई है। पुलिस टीम भी शबरी सेतु पुल के पास तैनात है।

एसडीएम जांजगीर ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर का ने बताया कि ऐहितयात के तौर पर महानदी तटीय इलाकों में मुनादी करा दी गई है। शिवरीनारायण के वार्ड नंबर एक शिकारी डेरा, नटराज चौक वार्ड 14 -15 नीचली बस्तियों में पानी पहले पहुंचता है। बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए नगर पालिका और राजस्व की टीम को तैनात कर दिया गया है। नदी का पानी स्थिर है। गंगरेल बांध से अभी पानी नहीं छोड़ा गया है। नदी के तटवर्तीय क्षेत्रों का निरीक्षण कर जायजा लिया गया है।

दुकान में लगी भीषण आग, बड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू, लाखों का सामान जलकर खाक

कांकेर (आरएनएस)। जिले में नेशनल हाइवे 30 के पास एक दुकान में भीषण आग लग गई. आगजनी की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई. जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर बड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया. इस घटना के कारण दुकान में रखे इलेक्ट्रॉनिक एवं कृषि के सामान जलकर खाक हो गए. इस आगजनी की घटना में लाखों का नुकसान हुआ है. यह मामला चारामा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, चारामा थाना क्षेत्र अंतर्गत ह॥ 30 से सटे राम जानकी मंदिर चौक के पास शुभलक्ष्मी ट्रेडर्स दुकान में देर रात भीषण आग लग गई. घटना की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. आग के चपेट में आने से दुकान में रखे इलेक्ट्रॉनिक एवं कृषि के सामान जलकर खाक हो गए. आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है. इस आगजनी की घटना में लाखों का सामान जलकर खाक हो गया है.

डेंगू व मलेरिया के लिए अलर्ट, छत्तीसगढ़ में मलेरिया से एक युवक की मौत, चार और पाजिटिव मिले

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर में मलेरिया से एक युवक की मौत हो गई है वहीं चार और पाजिटिव मिले हैं। ग्राम कुरदा में रहने वाले एक 18 साल के मलेरिया पाजिटिव युवक की सिम्स में शुक्रवार की शाम मौत हो गई।

इसके बाद तत्काल गांव में किए गए सर्वे में मलेरिया के चार पाजिटिव मरीज और मिल गए हैं। वहीं अब कोटा के अन्य संवेदनशील गांव के साथ ही शहरी क्षेत्र में भी मलेरिया, डेंगू फैलने की आशंका बढ़ गई है। कुरदा में रहने वाला 18 वर्षीय अजय कुमार पिता बुधराम बीते 15 दिन से भिलाई में अपने रिश्तेदार के यहां रह रहा था।

मौजूदा स्थिति में भिलाई, दुर्ग, रायपुर और गरियाबंद में मलेरिया व डेंगू फैला है। इसी बीच अजय भी वहां मलेरिया के चपेट में आ गया। जब उसने दो अगस्त को गांव वापसी की थी तो उसने बताया कि उसे बीते कई दिन से तेज बुखार आ रहा है और पूरे शरीर दर्द में उठ रहा है। इसके बाद उसकी तबीयत और भी बिगडऩे लगी। शुक्रवार की सुबह हालत पूरी तरह से बिगड़ जाने पर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोटा लाया गया।

जहां पर मलेरिया के लक्षण मिलने पर उसका सैंपल लेकर मलेरिया जांच की गई। इसमें उसके मलेरिया होने की पुष्टि की गई। दोपहर तक हालत और भी नाजुक होने पर उसे सिम्स रेफर कर दिया गया। यहां शाम को उसकी मौत हो गई। मौत होने के तत्काल बाद सिम्स प्रबंधन ने इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को दी।

किसानों को 10.18 लाख मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक वितरित

- वितरण लक्ष्य से 2.51 लाख मीट्रिक टन से अधिक उर्वरक भंडारित

रायपुर (आरएनएस)। खरीफ सीजन के लिए राज्य में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। इस साल 12.19 लाख मीट्रिक टन उर्वरक वितरण के लक्ष्य के विरूद्ध मार्कफेड, सहकारी समिति एवं निजी क्षेत्र में 14.70 लाख मेट्रिक टन उर्वरक भण्डारित है, जो कि वितरण लक्ष्य का 121 प्रतिशत है। किसानों को विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों का वितरण लगातार जारी है। अब तक किसानों को सहकारी समितियों एवं निजी फर्मों से 10 लाख 18 हजार 965 मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण किया जा चुका हैं, जिसमें 4 लाख 70 हजार 36 मीट्रिक टन यूरिया, 2 लाख 84 हजार 646 मीट्रिक टन डीएपी, 74 हजार 85 मीट्रिक टन एनपीके, 36 हजार 872 मीट्रिक टन पोटाश तथा एक लाख 36 हजार 326 मीट्रिक टन सुपर फास्फेट शामिल है।

चालू खरीफ सीजन के लिए राज्य में सहकारिता एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से किसानों को 12 लाख 19 हजार मीट्रिक टन खाद वितरण का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके विरूद्ध 14 लाख 70 हजार 372 मीट्रिक टन का भण्डारण करा लिया गया है, जो कि लक्ष्य का 121 प्रतिशत है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मार्कफेड के डबल लाक और समितियों में कुल 8 लाख 80 हजार 177 मीट्रिक टन तथा निजी क्षेत्र के विक्रेताओं के यहां 5 लाख 90 हजार 195 मीट्रिक टन खाद का भण्डारण किया गया है। फिलहाल राज्य में डबल लाक और सहकारी समितियों में 2 लाख 39 हजार 31 मीट्रिक टन तथा निजी विक्रेताओं के यहां 2 लाख 12 हजार 376 मीट्रिक टन इस प्रकार कुल 4 लाख 51 हजार 407 मीट्रिक टन उर्वरक वितरण हेतु उपलब्ध है।

छत्तीसगढ़ सरकार युवा ऊर्जा को सही दिशा देने के लिए लगातार काम कर रही : मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री 'कोड-ए-थान' कार्यक्रम में हुए शामिल
- स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल के 6 बच्चें हुए सम्मानित

रायपुर (आरएनएस)। युवाओं से भेंट-मुलाकात के दौरान युवा मुझे बताते है कि उन्हें कोडिंग आती है, एप बनाना आता है। हमारी पीढ़ी के लोगों को यह बात चकित कर सकती है, लेकिन आज की सच्चाई यही है। तकनीकी रूप से हम बहुत आगे बढ़ चुके है और इसका दायरा भी बढ़ रहा है। छोटे शहरों, कस्बों से लेकर गांवों तक युवा नई तकनीक के बारे में लगातार अपडेट रहते है और स्मार्टली सारे काम करते है। यह खुशी की बात है कि कोड-ए-थान के इस कार्यक्रम में आज स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल के 6 बच्चों को सम्मानित किया गया है। शासकीय स्कूल के बारे में पहले ऐसी कल्पना करना कठिन था। मैं सम्मानित सभी बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज शाम राजधानी रायपुर के निजी होटल में हिन्दुस्तान टाईम्स समूह द्वारा आयोजित 'कोड-ए-थान' कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि स्वामी आत्मानंद तथा स्वर्गीय डॉ. चन्दूलाल चन्द्राकर के घनश्याम दास बिड़ला के साथ अच्छे संबंध रहे है। यही कारण है कि बिड़ला समूह से मेरा भावनात्मक जुड़ाव है। हमारे प्रिय स्वर्गीय डॉ. चंदूलाल चंद्राकर ने हिन्दुस्तान टाईम्स अखबार में अपनी सेवाएं दी थी। इसी तरह स्वामी आत्मानन्द जी भी बिड़ला हाउस में प्रतिवर्ष उपनिषद पर व्याख्यान देने जाते थे। बघेल ने कहा कि कोड-ए-थान के माध्यम से युवाओं को नई तकनीक को जानने और समझने का अवसर मिला है। वर्तमान समय में इसकी आवश्यकता अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि युवा ऊर्जा के सकारात्मक दिशा में आगे बढऩे से बड़ी से बड़ी उपलब्धि आसानी से हासिल होती है और यह उपलब्धि व्यक्तिगत नहीं बल्कि समाज, प्रदेश व देश के लिए होती है। प्रदेश के युवाओं में असीम ऊर्जा है। केवल उसे सही दिशा देने की आवश्यकता है। मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार युवा ऊर्जा को सही दिशा देने के लिए लगातार काम कर रही है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुर्रे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य तथा में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उनके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

राज्य में 37 लाख 50 हजार हेक्टेयर में हो चुकी खरीफ फसलों की बुआई

- धान की 87 प्रतिशत बोनी पूरी

रायपुर (आरएनएस)। राज्य में खरीफ फसलों की बुआई अंतिम चरण में पहुंच गई है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक धान, अन्य अनाज के फ सलों सहित तिलहन और साग-सब्जी की बुआई 37 लाख 50 हजार 140 हेक्टेयर में हो चुकी है, जो कि चालू खरीफ सीजन के लिए निर्धारित बोआई के लक्ष्य का 78 प्रतिशत है। अब तक राज्य में 31 लाख 46 हजार हेक्टेयर में धान, एक लाख 89 हजार 190 हेक्टेयर में मक्का, 49 हजार हेक्टेयर में कोदो, कुटकी एवं रागी, एक लाख 52 हजार 220 हेक्टेयर में दलहन, 84 हजार 750 हेक्टेयर में तिलहन तथा एक लाख 19 हजार 180 हेक्टेयर रकबे में साग-सब्जी एवं अन्य फसले तथा 9 हजार 670 हेक्टेयर में गन्ने की बुआई पूरी कर ली गई है।

राज्य में खरीफ सीजन 2023 में 48 लाख 20 हजार हेक्टेयर रकबे में खरीफ फसलों की बुआई का लक्ष्य है, जिसमें 36 लाख हेक्टेयर में धान, 4 लाख एक हजार हेक्टेयर में मक्का सहित कोदो-कुटकी, रागी की फसलें, 4 लाख 48 हजार 180 हेक्टेयर में दलहन, 3 लाख 60 हजार हेक्टेयर में तिलहन तथा 2 लाख 9 हजार हेक्टेयर में तिलहन तथा 2 लाख 50 हजार हेक्टेयर में साग-सब्जी एवं अन्य फसलों की खेती का लक्ष्य निर्धारित है। निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध अब तक धान की बोता-बोनी 24 लाख 70 हजार 210 हेक्टेयर में की जा चुकी है। इसी तरह राज्य में 6 लाख 75 हजार 870 हेक्टेयर में धान का रोपा लगाया गया है। धान की बोता और रोपा बोनी को मिलाकर कुल 31 लाख 46 हजार हेक्टेयर में धान की बुआई हो चुकी है, जो कि धान बोनी के लक्ष्य का 87 प्रतिशत है।

दलहन फसलों के अंतर्गत अरहर की बोनी 78 हजार 610 हेक्टेयर में, मूंग की 7 हजार 820 हेक्टेयर में, उड़द की 65 हजार 500 तथा कुल्थी की बोनी 290 हेक्टेयर में हो चुकी है, जो कि दलहनी फसलों के लिए निर्धारित 3 लाख 60 हजार हेक्टेयर बोनी के लक्ष्य का 42 प्रतिशत है।

इसी तरह खरीफ सीजन 2023 में तिलहन फसलों के अंतर्गत अब तक राज्य में 40 हजार 460 हेक्टेयर में मूंगफली, 11 हजार 410 हेक्टेयर में तिल, 31 हजार 540 हेक्टेयर में सोयाबीन, 1160 हेक्टेयर में रामतिल, 180 हेक्टेयर में सूरजमुखी एवं अरण्डी की बोनी हो चुकी है, जो कि तिलहन फसलों की बोनी के लक्ष्य का 41 प्रतिशत है। साग-सब्जी एवं अन्य फसलों की बोनी एक लाख 19 हजार 180 हेक्टेयर में की गई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 48 प्रतिशत है।